Reserve Bank of India (RBI) has reported that the working estimate of the growth of deposits for scheduled commercial banks for 1995-96 was set at Rs. 65,000 crore. As against this the increase in bank deposits during 1995-96 was Rs. 45,486 crores. The increase in deposits during the second half of 1995-96 was higher at Rs. 33,746 crore as against an increase of Rs. 11,740 crore in the first half of 1995-96. Time deposits, in particular, increased by Rs. 26,354 crore in the second half of 1995-96 as compared with Rs. 16,786 crore in the first half. RBI has further reported that the increase in aggregate deposits, especially time deposits, in the second half of 1995-96 could be attributed, *inter alia,* to policy measures in respect of hike in ceiling interest rate for term deposits of upto two years' maturity and allowing banks the freedom to fix their own interest rates for term deposits abvoe two years' maturity (effective October 1, 1995)

(d) It is not possible to identify the impact of inadequate deposits on the availability of funds for projects and consequent pace of implementation of individual projects.

भारतीय स्टेट बैंक द्वारा लघु क्षेत्र की रुग्ण इकाइयों की पुनर्स्थापना योजना

306. **श्री अजीत जोगी:**
श्री एस०एस० सुरजेवाला:

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारतीय स्टेट बैंक ने लघु क्षेत्रों की रुग्ण इकाइयों की पुनर्स्थापना योजना बनाई है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है, और

(ग) मध्य प्रदेश और हरियाणा में पुनर्स्थापना योजना को लागू करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

वित्त मंत्री तथा कम्पनी कार्य मंत्री (श्री पी० चिदम्बरम): (क) और (ख) भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने सूचित किया है कि वह भारतीय रिर्जव बैंक (आरबीआई) द्वारा दिए गए मार्गनिर्देशों के अनुसार रुग्ण लघु उद्योग एककों (एस एस आई) के पुनर्वास की योजना को लागू कर रही है। भारतीय स्टेट बैंक आर बी आई द्वारा परिभाषित पैरामीटरों के अन्तर्गत ऐसी एककों को सहायता/रियायतें प्रदान करती हैं। वर्ष 1993-94 और 1994-95 के दौरान भारतीय स्टेट बैंक द्वारा रुग्ण लघु उद्योग एककों को दी गई वित्तीय सहायता इस प्रकार थी:—

	1993-94	1994-95
I. रुग्ण लघु उद्योग एककों की संख्या	2931	2476
II. बकाया राशि (करोड़ रुपए में)	222.22	183.29
III. उन एककों की संख्या जिन्हें पुनरूज्जीवित किया गया, कालम (1) से	80	80

(ग) एस०बी०आई० ने सूचित किया है की उनके द्वारा मध्य प्रदेश व हरियाणा राज्यों में मार्च 1995 के अन्त तक रुग्ण लघु उद्योग एककों को दी गई वित्तीय सहायता इस प्रकार है:—

	हरियाणा	मध्य प्रदेश
1. रुग्ण लघु उद्योग एककों की संख्या	824	607.2
2. बकाया राशि (करोड़ रुपए में)	11.88	47.26
3. अर्थक्षम पाई गई तथा अप्रैल 1992 से मार्च 1996-97 पोषण कार्यक्रम के तहत रखे गए एकक	46	36

भारतीय यूनिट ट्रस्ट, भारतीय जीवन बीमा निगम और राष्ट्रीयकृत बैंकों में जमा राशि

307. **श्री इकबाल सिंह: क्या वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश राज्यों में भारतीय यूनिट ट्रस्ट, राष्ट्रीयकृत बैंकों और जीवन बीमा निगम में लघु बचत योजनाओं के अंतर्गत गत तीन वर्षों के दौरान वर्षवार कुल कितनी धनराशि जमा की गई है; और

(ख) उपर्युक्त जमाराशि में से संबंधित राज्यों की विभिन्न विकास योजनाओं में कितनी धनराशि का निवेश किया गया है?

वित्त मंत्री तथा कम्पनी कार्य मंत्री (श्री पी० चिदम्बरम): (क) सूचना संलग्न विवरण में दी जा रही है (नीचे देखिए)।

(ख) किसी राज्य में निवल जमाराशि का 75 प्रतिशत उस राज्यों को राज्य योजना के वित्तीय के लिए दीर्घकालिक ऋण के रूप में अग्रिम के रूप में दिया जाता है।

विवरण

लघु बचत योजनाएं मुख्यतया डाकघरों द्वारा संचालित की जाती है, न कि भारतीय यूनिट ट्रस्ट, राष्ट्रीयकृत बैंकों एवं भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा। लघु बचत योजनाओं के अन्तर्गत भारतीय यूनिट ट्रस्ट, राष्ट्रीयकृत बैंकों तथा भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा जमा की गई राशि इस प्रकार है:—

(करोड़ रुपए)

	1993-94	1994-95	1995-96
पंजाब	शून्य	शून्य	शून्य
हरियाणा	शून्य	शून्य	शून्य
हिमाचल प्रदेश	शून्य	490	शून्य

490 करोड़ रुपए का ब्यौरा इस प्रकार है:—

भारतीय यूनिट ट्रस्ट	190
राष्ट्रीयकृत बैंक	250
भारतीय जीवन बीमा निगम	50

हिमाचल प्रदेश में निजी हवाई टैक्सियों द्वारा लिया जाने वाला किराया

308. **श्री महेश्वर सिंह**: क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को निजी हवाई टैक्सियों द्वारा हिमाचल प्रदेश में लिए जा रहे किराये को घटाने के संबंध में हिमाचल प्रदेश सरकार तथा अन्य जन-प्रतिनिधियों से कोई अनुरोध प्राप्त हुआ है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) सरकार द्वारा उन पर आज तक क्या कार्यवाही की गई है?

नागर विमानन मंत्री (श्री सी० एम० इब्राहिम): (क) और (ख) जी, हां। हिमाचल प्रदेश राज्य सरकार ने विमान किरायों में आर्थिक सहायता का अनुरोध किया है जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिल सके।

(ग) एयरलाइनें अपने वाणिज्यिक विवेक के अनुसार कोई भी किराया प्रभारित करने के लिए स्वतंत्र है। सरकार, किसी भी सैक्टर में किरायों को कम करने के लिए किसी भी एयरलाइन को कोई आर्थिक सहायता नहीं दे रही है।

Night Landing Facilities at Visakhapatnam Airport

309. DR. Y. LAKHMI PRASAD: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether there is any proposal to create Night Landing Facilities at Visakhapatnam Airport.

(b) whether there is any proposal to upgrade the air strip to enable air bus plane to land at Visakhapatnam Airport; and

(c) whether there is any proposal to make Visakhapatnam Airport as International Airport to make Visakhapatnam a gate-way of business to South-East Asian Countries, if so, the details thereof?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION (SHRI C.. M. IBRAHIM): (a) No. Sir.

(b) No, Sir. Because of the obstructions around the airport it is not possible to upgrade the airport facilities any further.

(c) Government of Andhra Pradesh has plans to develop a new airport at Visakhapatnam with private participation. Airports Authority of India has prepared a feasibility report on the development of a new airport at a site 45 kms. from Visakhapatnam at the request of the State Government.

Ban on creation of Posts in Group 'C' and Group 'D' Cadres.

310. SHRI RAMDAS AGARWAL: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) Whether there is still a ban imposed by the Central Government on